Press Information Bureau		
Govt. of India, Regional Office Lucknow		
Name of the Newspaper	Ek Sandesh	
Date	19.12.2021	

लखनऊ में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। 2021= केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेज्एट इंस्टीट्यूट ऑफ (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सुचना विज्ञान (हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय कौशल



विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, ÷यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे क्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेक्लपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्पेरित कर सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि ÷स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 युनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं।

Name of the Newspaper Sapt Ratna 19.12.2021 **Date**

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर

"लखनऊ में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन, राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा"

लखनक, १८ दिसम्बर । केन्द्रीय पोस्ट बेनुएट इंस्टीटबुट आफ प्लस

बेंद्र का उद्र्याटन करते हुए माननीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीय केंद्रीय कीवल विकास और उद्यमिता चंद्रशेखर, इलेक्ट्रानिक्स और सुचना एवं इलेक्ट्रानिक्स और सुचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, यह उद्यामता मंत्रालय ने संजय गांधी भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल टेक्नोलाजी जैसे मेडिकत साइंसेज (एसजीपीजीआई), कास-डिसिप्तिनरी एप्तिकेशन लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर डेक्सपमेंट को बढ़ाया दे सकता आफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्याटन है। इस जगह से बहे इनोवेशन की किया। सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप उच्चीद है। पिछले ४-५ वर्षों के (सीओई), मेडी इलेक्ट्रानिक्स और दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए स्वास्थ्य सुचना विज्ञान (हेल्टा गए कार्यों परिणाम ने भारत को इन्होर्नेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप कोविड काल के दौरान लबीलापन को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और लाने में मदद की है। आज भारत राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप बढ़ावा देगा तथा स्थानीय इक्रोसिस्टम है। इस परिदृश्य में अर्थन्यवस्या का सपोर्ट करने के मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स का विशेष साथ ही रोजगार के अवसर पैदा महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन

पीएम गतिशक्ति योजना मिला प्रोत्साहन



लाजिस्टिक लागत में कमी लाना लागत सकल घरेलू उत्पाद का नागरिकों को उनके खाते में समान शेष पृष्ट ८ पर



स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उठोरित कर सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि घटार्टअप इस अवसर पर एसटीपीआई के और सीओई हमारे युवाओं के लिए महानिवेशक त्री अरविंद कुमार ने अधिकतम अवसर पैदा कर सकते कहा कि मेडीटेक सीओई स्टार्टअन्स हैं। जनवरी २०२९ से हम हर पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक महीने २ यूनिकार्न बढ़ा रहे हैं। मजबूत माहल प्रदान करके उन्हें कोविट से उबरने के बाद हम सक्षम बनाकर विकित्सा सबसे तेजी से बढ़ने वाली इलेक्ट्रानिक्स और स्वास्थ्य सूचना अर्थव्यवस्था है। हमें दुनिया के विज्ञान क्षेत्रों में जनुसंधान और अन्य देशों की तुलना में सबसे नवाचार में एक आदर्श बदलाव ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। ला सकता है। मेडटेक डोमेन में जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर मोदी जी ने २०१४ में डिजिटल बनाने, निर्यात को बढ़ाया देने, इंडिया का शुभारंभ किया, तो आधात को कम करने और भारत उन्होंने ३ उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी को मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स उपकरणो ससमता, डिजिटल अर्थव्ययस्था, के निर्माण के तिए एक वैश्विक उद्यमिता और रोजनार निर्धारित बेद्ध है। मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन किए और भारत को उभरती के लिए १५ मेडटेक स्टार्टअन्स का प्रीयोगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश अथन किया गया है। ये स्टार्टअप बनाया। इमने प्रौद्योगिकों के उपयोग उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से के माध्यम से नागरिकों के जीवन हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, को बदल दिया है और आज अगर जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती है। वर्तमान में, भारत में लाजिस्टिक हम १०० रुपये भेज रहे हैं, तो प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में...

राशि प्राप्त हो रही है। ये तकनीक के फायदे हैं।

Name of the Newspaper Jan Express

Date 19.12.2021

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन, राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा

'भारत' दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर



जन एक्सप्रेस। लकातऊ

फेन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीय चंद्रशेखर, इलंबर्ट्रानियस और सूचना प्रौद्योगिको एवं कौशल विकास तथा उद्यपिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट मेडिकल ऑफ सहसंज (एसजीपीजीआई), लखनक में स्थापित मेंडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिय का उद्घाटन किया। ऑफ पंटरप्रेन्योरशिय (सीओई), मेखे इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्कोमेंटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टक्य को अत्याधनिक सविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बदावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का समोर्ट करने के साथ ही रोजमार के अध्यसर पैदा करेगा।

केंद्र का उद्घाटन करते तुए केंद्रीय कौराल विकास और उप्यक्तित एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सुप्ता ग्रीपॉर्शकी राज्य मंत्री ने कहा, यह प्रक्रिक्य में मेंडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेककेलीकी जैसे कॉस-विदेशित्तकन डेक्नप्मेंट को बहुता रे पुरित्तकेतन डेक्नप्मेंट को बहुता रे सकता है। इस लगह से कई इनोक्यन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के देशन ग्रीपॉर्शियों के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोरेक अलक के देशन लच्चीक्थरन लाने में मदद को है। आज भारत दुनिया का ममस्से बहु स्टाटटेशर इक्नॉमस्टम के इस परिदृश्य में मेडिकल इलोक्ट्रॉनिक्स का विद्रोग माराज है।



इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्पेरित कर सकता है। उनोंने में भी कहा कि स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए ऑधकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोवित से उबरने के बाद तम सबसे तेजी से बदने वाली अर्थव्यवस्था है। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एपाडीआई प्राप्त हुआ है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में डिनिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रोद्योगिको सक्षमता, दिनिटल अर्थायवस्था, उद्यमित और रोजगर निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकों के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नावरिकों को उनके खाते में समान राशि प्राप्त हो गरी है। ये तकारीका के फायटे हैं। इस अवसर पर एसटोपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर च्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मीतल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्थास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नथाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आणिआर बनाने, निर्पत को आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत उठाया लाभ

में हैं इलेक्ट्रॉनियस क्षेत्र वर्तमान में 10 अरब डॉलर होने का अनुमान है और 2025 तक 50 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। इस बोन में लगभग 73-80 प्रतिश्वार की कावरदरश अध्यात निर्मेदता भी है। इस खेटर ऑफ एक्सीत्स से में में इलेक्ट्रॉनियम में पहेतु तटाई आ इक्क्रॉनिस्टम को विक्रमित करने और नरेंद्र सोदी सरकार द्वारा निर्मारत आम निर्मेद मिशन को बढ़ावा देने में मदद की उम्मीद है। डिजंडल इंडिंग प्रकार के लात उत्तर प्रदेश ने नए मानक स्थायित किए हैं। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, कह उस्प्रेम को डिजंडल पहनान कारकम का नेतृत कर तक हैं, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाला है। अधार का लोग उत्तर पहने हैं। अधार नामांकन के साथ, कह उस्प्रेम को डिजंडल पहनान कारकम का नेतृत कर तक हैं, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाला है। अधार का लोग उत्तर एक हैं। उसे उसे अधिक लोगों में कहा लोगों के कहत लोगों उत्तर सक डिजंडल पहना सकर के विद्यास का स्वाप्त के साथ, के उसे अधिक लोगों में केंद्र (तक्ष्य सरकार के विधिक्त कार्यक्रमों के लवत लोग उत्तर्य है। इसने लोगों हैं करों को सुविधा प्रदान की है जिसने अहाब्यर, कटावार को दूर किया है और नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है।

बद्धावा देने, आयात को कम करने भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैदिक केंद्र है। मेहरेक सेंटर में इनकपूबेशन के लिए 15 मेडटेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टक्य उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वहस्था क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थान मिला है। सेंटर ऑफ एक्सोलेंस प्लग एंड प्ले सुविधाएं को-वकिंग/इनक्यूबेशन स्पेस, हाई स्पीड इंटरनेट (500 एमबीपीएस),

मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इभॉमेंटिक्स और आईओटो एंक्स, बीदिक संपद्म और आईओटो एक्स, मकेटिंग के लिए स्वरणता और अन्य सुविष्यओं के साथ नेटक्कं आइट्रॉनेच्य करेगा। सॉफ्टबेंगर टेक्नोलॉनी पार्क ऑफ इंडिंगर, इलेक्ट्रॉनिक्स स्टेकर को मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार को मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार को एग्नीलिक रूप से पीतीआई मेडिकरल में रखा गया है, जो मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टऑस को आये बाइने के लिए उपयुक्ता बातावरण प्रदान करता है।

Name of the Newspaper

NBT

Date

19.12.2021

केंद्रीय आईटी ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री ने किया उद्घाटन

पीजीआई में शुरू हुआ देश का गहला मेड-टेक सॉफ्टवेयर पार्क

एसजीपीजीआई में शनिवार को देश के पहले मेड-टेक सॉफ्टवेयर पार्क की शुरुआत हुई। इसका उद्घाटन केंद्रीय आईटी ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने किया। इस केंद्र के जरिए मेडिकल क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने में छात्रों को मदद मिलेगी तो डॉक्टर और इंजिनियर साथ मिलकर नए मेडिकल उपकरण बनाने पर शोध कर सकेंगे। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार से फंडिंग दी जाएगी। साथ ही तकनीकी सहयोग भी मुहैया करवाया

मेडि-टेक सॉफ्टवेयर पार्क के उद्घाटन के मौके पर मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। यहां हर महीने दो यूनिकॉर्न यानी 8 हजार करोड़ से बड़ी कंपनियां खुल रही है। पिछले साल कुल 3200 स्टार्टअप शुरू हुए थे तो इस साल 5291 स्टार्टअप हो चुके हैं। कोविड के बाद स्टार्टअप का सबसे ज्यादा फोकस हेल्थ पर है। यूपी में भी एक साल में दो हजार से ज्यादा स्टार्टअप शुरू हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम डिजिटल इकॉनमी को तेजी से बढ़ा रहे हैं। जल्द ही इंटरनेट स्पीड बढ़ाने के लिए भी नई शुरुआत होगी। इस मौके पर प्रदेश के न्याय एवं कानून मंत्री बजेश पाठक और राज्यमंत्री स्वाति सिंह व पीजीआई के निदेशक प्रो. आरके धीमन भी मौजूद रहे।

10 करोड देगी प्रदेश सरकार

प्रमुख सचिव आईटी अरविंद कुमार ने वताया कि पीजीआई में मेडि-टेक पार्क को पांच साल के लिए कुल 22.25 करोड़ दिए जाएंगे। इसमें दस करोड़ रुपये प्रदेश सरकार देगी। सरकार ने 15 जिलों में 41 इंक्युवेटर सेंटर भी वनाए हैं। इसके साथ प्रदेश के हर जिलों में एक-एक इंक्यवेटर बनाने का लक्ष्य है। इस केंद्र पर जिनका भी चयन होगा, उन्हें पहले एक साल 15 हजार प्रति माह मिलेगा। वहीं, मार्केटिंग असिस्टेंस के लिए 5 लाख, नैशनल पेटेंट रजिस्टेशन के लिए 2 लाख और इंटरनैशनल रजिस्टेशन के लिए 10 लाख की ग्रांट दी जाएगी।

 मेडिकल क्षेत्र के स्टार्टअप
 नए मेडिकल उपकरण को मिलेगा बढावा बनाने पर होंगे शोध



23 स्टार्टअप का चयन

मेडि-टेक सॉफ्टवेयर पार्क के लिए 23 स्टार्टअप का चयन हो चुका है। पहले दिन इनमें 12 स्टार्टअप का प्रेजेंटेशन हुआ। एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि ये स्टार्टअप प्रदेश के कई जिलों से हैं। इन्हें काम करने की जगह, आईओटी लैब, हाई स्पीड इंटरनेट, बौद्धिक संपदा मार्केटिंग और फंडिंग दी जाएगी। वहीं. पीजीआई मेडिकल उपकरण और चिकित्सीय सहायता मुहैया करवाएगा।

इन्हें मिली सराहना

पीजीआई के धीरज सिंह ने विडियो लेरिगोस्कोप का मॉडल पेश किया। अभी यह उपकरण दूसरे देशों से तीन से चार लाख रुपये में मंगाया जाता है, लेकिन अब यह महज कुछ हजार रुपयों में तैयार हो जाएगा। आईटी मंत्री ने पीजीआई निदेशक को इसके उत्पादन पर आगे काम करने को कहा। वहीं, वाराणसी के अमित कुमार ने उपचार ऐप का मॉडल दिखाया। इसेमं ऑनलाइन कैब सर्विस की तरह एंबुलेंस सुविधा मिल सकती है। इसी तरह मोबाइल से सेंसर लगाकर शुगर लेवल चेक करने के मॉडल पर भी चर्चा हुई।

आधे घंटे के बजाय 5 मिनट होगी आंख की सर्जरी

केजीएमयू के डायबिटिक रेटीनोपैथी सेंटर में आई मल्टी स्पॉट लेजर मशीन

में अव डायविटिक रेटीनोपैथी की लेजर सर्जरी महज पांच से सात मिनट में हो सकेगी। दरअसल, केजीएयम् में अडवांस डायविटिक रेटीनोपैथी सेंटर वनाया जा रहा है। इसके तहत यहां डायविटिक रेटीनोपैथी की लेजर सर्जरी के लिए हाई ऐंड मल्टी स्पॉट लेजर मशीन लगाई जा रही है। इसके साथ स्टेट ऑफ आर्ट लेजर मशीन और आंख के परदे की सर्जरी के लिए हाई एंड विदेक्टमी मशीन भी खरीदी गई है। इन

वेहतर सर्जरी हो सकेगी।

देश में डायवीटीज के मरीज तेजी से वढ रहे हैं। इस कारण डायविटिक रेटीनोपैथी के मरीज भी वढ़ रहे हैं। इसमें लापरवाही ऐसे मरीजों के लिए अडवांस डायविटिक रेटीनोपैथी सेंटर संजीवनी का काम करेगा। केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग के डॉ. रेटीनोपैथी में आंख के पर्दे में सजन और हो सकेगी।

■ **एनबीटी** सं, लखनऊ: केजीएमयु मशीनों की मदद से कम से कम समय में आंख में ब्लड आ जाता है। इसका लेजर मशीन से सर्जरी कर उपचार किया जाता है। अव तक केजीएमयू में वन स्पॉट मशीन थी। यह एक वार में एक स्पॉट ही कवर करती थी, जबकि नई मशीन मल्टी से आंख की रोशनी तक चली जाती है। स्पॉट मशीन है, जिससे एक वार में वीस स्पॉट कवर होते हैं। इससे 20 मिनट से आधे घंटे में होने वाली सर्जरी अब पांच से सात मिनट में हो जाएगी। वहीं, विटेक्टमी संदीप सक्सेना ने वताया कि डायविटिक मशीन से आंख के पर्दे की वेहतर सर्जरी

Press Information Bureau		
Govt. of India, Regional Office Lucknow		
Name of the Newspaper	Amar Ujala	
Date	19.12.2021	

डॉक्टर व इंजीनियर मिलकर करें काम, मरीजों को मिलेगा फायदा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डॉक्टर-इंजीनियर साथ काम करेंगे तो मरीजों को सस्ती दर पर बेहतर उपकरण मिल सकेंगे। मेडटेक स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह बातें इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय के केंद्रीय राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कही। वे शनिवार को एसजीपीजीआई में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के उद्घाटन समारोह को प्रज्यलन। विधि मंत्री ब्रजेश पाठक रहे मौजूद। संवाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जनवरी 2021 से हर माह किया जा रहा है। न्याय एवं कानून मंत्री ब्रजेश दो यूनिकॉर्न कंपनियां खुल रही हैं। एसजीपीजीआई में खुल रहे मेडटेक के जरिए मेडिकल व टेक्नोलॉजी को बढ़ावा मिलेगा। वहीं इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने की दिशा में कार्य अपनी बात रखी।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने मेडटेक सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का किया उद्घाटन



केंद्रीय राज्यमंत्री राजीव चंद्ररोखर ने किया दीप

पाठक, राज्यमंत्री स्वाति सिंह ने भी संबोधित किया। पीजीआई के निदेशक प्रो. आरके धीमान, एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनीत कंसल ने भी

Name of the Newspaper Hindustan

Date 19.12.2021

पीजीआई-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग के बीच करार, सेंटर फॉर एक्सीलेंस भी बनेगा

पीजीआई बनाएगा चिकित्सा उपकरण



लखनऊ | संवाददाता

पीजीआई अब बीमारियों की पहचान और उपचार के साथ चिकित्सा उपकरण भी बागएगा। यहां के डॉक्टर बीमारी की जांच और इलाज में प्रयोग होने वाले उपकरण इंजीनियर और उद्यिग्यों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप तैयार करेंग। इसमें बीपी मशीन, शुगर जांच की मशीन, अल्ट्रा सांउड, धर्मामीटर, स्टंट, इम्प्लांट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल होंग। स्वदेशी उपकरणों की कीमत कम होगी। उपकरणों का निर्माण पीजीआई में बने मीडिकल सेंटर फार एक्सीलेंस में होगा।

पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन बताते हैं कि यह सेंटर संस्थान में लाइब्रेरी भवन में 15 हजार वर्ग फुट में करीब 22 करोड़ रुपये से तैयार होगा। इसमें 50 स्टार्टअप को चुना जाएगा। ये स्टार्टअप मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में काम करेंगे। पीजीआई और



पीजीआई के सीवी रमन ऑडिटोरियम में शनिवार को मेडटेक सेंटर फॉर इंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया गया।

इलाज में डेटा साइंस बनेगा मददगार

संस्थान निदेशक डॉ. धीमन ने बताया कि डेटा सांइस की मदद से मरीजों के डाटा के आधार पर बीमारियों की महाना ने उपचार में आसान होगी। यहां के मरीजों के डेटा का इसमें प्रयोग करेंगे। शोध कार्यों और मेडिकल उपकरणों के स्टार्टिआ व्यवसाय को विकसित करने में इनक्यूबेशन सेंटर का अहम योगदान है। यह सेंटर प्रारंभिक चरण में स्टार्टिआस के लिए संजीवनी का काम करते हैं। यह सेंटर व्यापिरक एवं तकनीकी सुविधाओं, सलाह, नेटवर्क को विस्तार देगा।

कोरोनाकाल में स्टार्टअप ने दी राहत

सेंटर फॉर एक्सीलेंस लखनऊ <mark>लखनऊ संवाददाता</mark> स्टार्टअप उपकरणों के

हजार करोड़ से पीजीआई में बनेगा

निर्माण के लिए चुने

जा चुके हैं।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेंटिक्स

विभाग ने काम शुरू कर दिया है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। यूपी में एक साल के भीतर दो हजार से ज्यादा स्टार्टअप शुरू हुए हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

ये बातें पीजीआई में शनिवार को सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया के मेडटेक सेंटर फॉर इंटरफ्रेन्योरशिप के उद्घाटन पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना ग्रीधोगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि स्टार्टअप की संख्या 3200 से 5291 हो गई है। कोरोनाकाल में

सॉफ्टवेयर पार्क के लिए १५ स्टार्टअप चयनित

एसटीपीआई महानिदेशक अरविन्द कुमार ने कहा कि सॉपटवेयर पार्क के तहत 15 स्टार्टअप चुने गए हैं। शनिवार 12 स्टार्टअप ने अपने-अपने मॉडल के प्रोटो टाइप के जिरए जानकारी दी। यह स्टार्टअप कई जिलों के हैं। इन्हें काम करने की जगह, आईओटी लैब, हाईस्पीड इंटरनेट, बौद्धिक संपदा मार्केटिंग, फंडिंग के लिए सहायता दी जाएगी। मेडिकल उपकरण में मदद पीजीआई करेगा।

डिजिटलइंडिया की उपयोगिता बढ़ी है। घर बैठे परामर्श-उपचार मिला है। कानून मंत्री बुजेश पाठक ने कहा कि देश में चिकित्सा का दावरा बढ़ रहा है। एक दिन विदेश के लोग इलाज कराएंगे। गुज्य मंत्री स्वाति सिंह ने कहा कि स्टार्टअप में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। एकेटीयू वीसी विनीत कंसल ने उपकरण बनाने में पीजीआई को मदद का घरोसा दिया। अपर मुख्य सचिव आईटी अरविंद कुमार ने कहा कि एक्सीलेंस सेंटर को पांच साल में करीब 22.25 करोड़ दिये जाएंगे। इसमें दस करोड़ रुपये प्रदेश सरकार देगी। 15 जिलों में कुल 41 इंक्यूबेटर सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

— ८०% उपकरण विदेश में बने प्रयोग हो रहे

डा. धीमन ने बताया कि अभी चिकित्सा उपकरणों में 80 फीसदी दूसरे देशों के बने प्रयोग हो रहे हैं। देशी तकनीक पर आधारित मेडिकल उपकरण सेंटर में कम कीमत पर उपलब्ध होंगे। इससे मरीजों को सस्ता इलाज मिलने के साथ शोध का दायरा भी बढ़ेगा। चिकित्सा क्षेत्र में जांच, ऑपरेशन के अलावा विभिन्न अंगों में लगने वाले रटंट, इम्लांट, बहुत से इलेक्ट्रोनिक उपकरणों की जरूरत होती है। अभी इनके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिनकी कीमत ज्यादा है।

Press Information Bureau		
Govt. of India, Regional Office Lucknow		
Name of the Newspaper	Rastriya Sahara	
Date	19.12.2021	

PGI: केन्द्रीय मंत्री ने मेडटेक का किया उद्घाटन

लक्षमा । केन्द्रेय राज मंद्रे राविष चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनका और सुवन प्रीचेतिकी एवं क्षीतान विकास तथा उद्योगत पंजालय ने मंत्रय गाँधी पेपट क्षेप्र इन्हेर्डस् अर्थ्य वेदिकस यवंश्रेत्र (एससेपीसेजाई) में स्थपित मेडरेक- मेरर ऑफ एक्ट्रेन्केरीय का अरुवारम बिया ग्रेस 50%

एंटर्फे-पेर्रात्य, मेड्रे इलेक्ट्रॉनिसा और स्थानय गुबन विद्वान के शेष में महर्दअप को आयार्वनक मुक्तिकारं प्रदान और राज्य में मठर्टअप संस्कृति को विकार के तथा प्रकारित अर्थव्यवस्था का स्पेत् बर्गर के स्वय ही रोजांतर के अबसर पैदा करेगा।

बेद का उठ्डटर करते कुर बेदीय बीतान क्रियाम और उद्योगत एवं इनिवर्डनिक्य और सूचन प्रेचेरीओं राज्य मंत्रे ने करा कि यह प्रतिकार में मेडठेक मोओर्ड मेडिकल पत्मा ठेकोल्डेडी जैसे कॉस-डिमिर्डनारी एप्लिकेशन देवलामीट को

व चाउय को मेडिकल से जड़े SER. रटार्टअन्स को मिलेस बढ़ावा

भारत दुनिया का सबसे बहा स्टार्टाप इक्रोशिस्टमः केन्द्रीय चाउच मंत्री

परिकृत में मेडिकल इलेक्ट्रानिका का विशेष महत्व है। एसटेवेशर्व के महाविकास अरविद समय ने क्षात्र कि मेड्डिक डेम्म में उत्पत करते के लिए आर्थित्रस्य करते, निर्देश को काम देरे, आवत को कम करने और भाग को मेहिकार इनेक्ट्रीका उपस्तो से

बोद है। मेड्टेब मेटर में इनक्ष्मेशन के लिए 15 मेड्डेक स्ट्रिंग्स का बार किया गया है। ये मराईआ तर प्रदेश के लिएत हिम्मी से हैं और कड़ अन्य राज्ये से हैं, जिससे सकारत केत से उभारी प्रीक्षेत्रिकारों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की एक अकरी राज्य के रूप में स्थान मिता है।

मेथे इतेब्द्रीविका क्षेत्र वर्तम्यन में 10 अरब श्रीनर होने का अन्यता है और 2025 सक 50 जरब डीलर तक बेंक्रों की उम्मीद है। इस सेटर ऑफ एक्टीलेंग से मेडी इलेक्ट्रॉलक्य में फोल् बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बंदे इतेबेशन की उप्पीट है। इस -स्टार्ट कर इक्टिसरड़म को विकरित कर रहे हैं।

निर्मात के लिए एक बेरियक

Name of the Newspaper

AAj

Date

19.12.2021

पीजीआई में अब बनेंगे स्वदेशी चिकित्सा उपकरण

पीजीआई चिकित्सा उपकरण के क्षेत्र में भी कीर्तिमान स्थापित करेगा। चिकित्सा के क्षेत्र में अपना नाम रौशन करने के बाद पीजीआई ने स्वदेशी तकनीक से कम कीमत में उपकरणों के निर्माण करने की दिशा में कदम बड़ा दिये हैं। यहाँ के जॉक्टर कीमारी की जॉच और इलाज में पूर्वांग होने वाले उपकरण इंजीनियर और उद्यमियों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप तैवार करेंगे। इसमें बीपी मशीन, शुगर जांच की मशीन, अल्ट्रा सांउड, धर्मामीटर, स्टंट इम्प्लांट के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल होंगे। यह जानकारी देते हुए पीजीआई निदेशक हाँ. आरके धीमन बताते हैं कि यह सेंटर संस्थान में लाइब्रेरी भवन में 15 हजार वर्ग फुट में करीब 22 करोड़

रुपयं सं तैयार होगा। इसमें 50 स्टार्टअप को चुना जाएगा। ये स्टार्टअप मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में काम करेंगे। पीजीआई और केंद्रीय

पीजीआई और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग के बीच हुआ करार

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफ मिंटिक्स विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। स्वदेशी तकनीक से बनने वाले इन उपकरण की कीमत भी काफ मैं कम होगी। उपकरण का निर्माण पीजीआई में बने मेंडिकल सेंटर फार एक्सीलेंस में होगा। वर्तमान में उपकरण दूसरे देशों के बने प्रयोग किए जा रहे हैं। देशी तकनीक पर आधारित मेडिकल उपकरण सेंटर में कम कीमत पर यहां उपलब्ध होंगे। इससे मरीजों को सस्ता व सुगम इलाज मिलने के साथ ही शोध का दावरा भी बढ़ेगा। चिकित्सा क्षेत्र में जांच ऑपरेजन के अलावा प्रपीर के विभिन्न अंगों में लगाए जाने वाले स्टंट, इम्लांट व बहुत से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरत होती है। अभी इन उपकरणों से लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिनकी कीमत बहुत ज्यादा है। इसके अलावा डा. धीमान ने यह भी बताया कि डेटा सांइस की मदद से मरीजों के डाटा के आधार पर बीमारियों की पहचान व उपचार में आसान होगी।

सर्द हवाओं के वलते सफर करने से कतरा रहे यात्री

लखनक। सर्द हवाओं के बीच ट्रेन, बसों के सफर से यात्रियों ने दूरी बनानी शुरू कर दी है। यात्रियों की भीडभाइ से भरे रहने वाले चारबाग रेलवे स्टेशन, कैसरबाग बस अड्डे के काउंटरों पर शनिचार हका-दुका बाजी नजर आए। स्टेशन के प्लेटपार्म और रोडवेज बसों में बात्रियों की संख्या 10 से 15 पीसदी गिराक्ट है। चारबाग वस स्टेशन इंचार्ज मो. आमिर ने वताया कि सहालग खत्म होने के साथ सर्द हवाओं के चलते यात्री सफ करने से कत्या रहे है। यही वजह है कि बसों में यात्री लोड फैक्टर 85: से घटकर 70: पहुंच गए। ट्रेनों में भी पात्रियों की संख्या में कभी दर्ज की गई है। चारवाग आरक्षण केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक 14 दिसंबर से लंबी दूरी की ट्रेनों में वेटिंग 100 से कम पहुंच गई है।

र्थियों ने घेरा मंत्री का घर

मांग है कि सरकार 1,37,000 भर्ती पदों में 22,000 रिक्त पदों को जोड़ा जाए। साथ ही 69,000 शिथक भर्ती में जो आरक्षण घोटाला हुआ है, उसमें भी उनका हक दिया जाए। इन्हीं मांगी को लेकर सरकार और यह ओबीसी, दिलत वर्ग के छात्र आमने-सामने हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन अभ्यर्थियों की सरकार के नुमाइंदों के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन वह विफल साबित हुई है। अब वह अध्यर्थी लगातार बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास और ऑफिस घेर कर भर्ती करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल दोनों के बीच कल्द समझौते की बात तो कही जा रही हैं लेकिन यह समझौता कब होगा इस पर स्पष्ट कोई जानकारी नहीं दे पा रहा



एसजीपीजीआई में सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन करते केन्द्रीय इलेक्ट्रानिक और सूचना पौद्योगिकी एवं कौशल विकास राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow Name of the Newspaper Voice of Lucknow Date 19.12.2021

पीजीआई में चिकित्सकीय उपकरण भी बनेंगे

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग से हुआ करार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनक। संजय गांधी पीजीआई में अब मरीजों के इलाज के साथ चिकित्सीय उपरकण भी बनेंगे। शनिवार को यहां मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का शुभारम्भ हुआ। जिसका उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता ने किया।

पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमान ने बताया कि इलाज में प्रयोग होने वाले उपकरण इंजीनियर और उद्यमियों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप तैयार करेंगे। इसमें बीपी मशीन, शुगर जांच की मशीन, अल्ट्रा सांउड, थर्मोमीटर, स्टंट, इम्प्लांट के अलावा



मेंडटेक – सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिय का शुभारंभकरते केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल होंगे। स्वदेशी तकनीक से बनने वाले इन उपकरण की कीमत भी काफी कम होगी। उपकरणों का निर्माण पीजीआईं में बने मेडिकल सेंटर फार एक्सीलेंस में होगा। उन्होंने बताया कि यह सेंटर

संस्थान में लाइबेरी भवन में 15 हजार वर्ग फुट में करीब 22 करोड़ रुपये से तैयार होगा। इसमें 50 स्टार्टअप को चुना जाएगा। ये स्टार्टअप मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में काम करेंगे। पीजीआई और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेंटिक्स विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। डा. धीमन ने बताया कि अभी चिकित्सा उपकरणों में 80 फीसदी दूसरे देशों के बने प्रयोग किए जा रहे हैं। देशी तकनीक पर आधारित मेडिकल उपकरण सेंटर में कम कीमत पर यहां उपलब्ध होंगे।

इससे मरीजों को सस्ता व सुगम इलाज मिलने के साथ ही शोध का दायरा भी बढ़ेगा। चिकित्सा क्षेत्र में जांच, ऑपरेशन के अलावा शरीर के विभिन्न अंगों में लगाए जाने वाले स्टंट, इम्लांट व बहुत से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरत होती है। अभी इन उपकरणों से लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिनकी कीमत बहत ज्यादा है।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow Name of the Newspaper Spast Awaz Date 19.12.2021

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टमः राज्य मंत्री

चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेज्एट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एसजीपीजीआई लखनक में मेडटेक सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप सीओई मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधनिक सविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्र का उद्घाटन करते हुए मंत्री राजीव ने कहा यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे कॉस.डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4.5 वर्षों के दौरान



प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृष्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है। इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान कोंद्रेत करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें

सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने नियात को बढ़ावा देने, आयात को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है। कोविंड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है।

क्रान्तिकारियों पर आधारित जायज हत्यारे का मंचन

लखनक। नगर की प्रतिष्ठित नाट्य संस्था आकांक्षा थियेटर आर्ट्स, लखनऊ द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (संस्कृति विभाग), नई दिल्ली के सहयोग से वर्ष 2021-22 के वेतन अनुदान के अन्तर्गत द्वितीय प्रस्तृति के रूप में देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित सप्रसिद्ध नाटककार अल्बेयर काम की मल नाट्य रचना एवं हिन्दी नाट्य रूपान्तरण सरेश भारद्वाज एवं दीपा साही लिखित नाटव प्रस्तृति जायज हत्यारे का नाटय मंचन नगर के वरिष्ठ रंग निर्देशक अशोक लाल के क्शल निर्देशन में स्थानीय बाल्मीकि सभागार, उ०प्र० संगीत नाटक अकादमी परिसर, गोमती नगर लखनऊ में सांयकाल 05:30 बजे मीचत किया गया। इस नाट्य प्रस्तुति को 60 दिवसीय कार्याशाला के अन्तर्गत तैयार किया गया था। नाटक का उद्घाटन प्रदीप कुमार आई०ए०एस० द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

Name of the Newspaper

Rastriya Swaroop

Date

19.12.2021

एसजीपीजीआई में मेडटेक – सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उदघाटन

स्वरूप संवाददाता

लखनक। केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने संजय गांधी पोस्ट येजएट

राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा

इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेन लखनऊ स्थापित मेडटेक-सेंटर एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिय, मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बहावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने श्री चंद्रशेखर ने कहा यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे क्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बदावा दे सकता है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिको के सम्मुख किए गए के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है।

कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थन्यवस्था, उद्यमिता और



आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है।

उन्होंने ये भी कहा कि स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 युनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बदने वाली अर्थव्यवस्था हैं। जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिको के उपयोग के गाध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में समान राशि प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कमार ने कहा कि मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है।

मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए 15 मेडटेक स्टार्टअप्स को चयन किया गया है। ये स्टार्टअप उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलु स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित 'आत्म निर्भर मिशन' को बढावा देने में मदद की उम्मीद है। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहचान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाता है। आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत लाभ उदाया है। इसने लाभाधियों के खातों में लाभ के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (द्यायरेक्ट चेनिफिट ट्रांसफर) की सुविधा प्रदान की है जिसने नागरिकों के जीवन को आसान बनावा है।

Name of the Newspaper Voice of Musafir 19.12.2021 **Date**

लखनऊ में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन

माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ थापित मेडटेक-एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। ऑफ एंटरप्रेन्थोरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, ÷यह भविष्य में



मेडटेक सीओई मेडिकल प्लम टेक्नोलॉजी जैसे क्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यो परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का

सबसे बडा स्टार्ट अप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है।÷ उन्होंने ये भी कहा कि ÷स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी

2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रथंव्यवस्था है। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभारती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने पौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में समान राशि पाप्त हो रही है। ये तकनीक के फायदे हैं।-इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक श्री अरविंद कुमार ने कहा कि +मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने, आयात को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंट है। मेडरेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए 15 मेड्टेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टअप उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती पौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थान मिला है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्लग एंड प्ले सुविधाएं,

स्पीड इंटरनेट (500 एमबीपीएस) मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेंटिक्स और आईओटी लैब्स. सहायता, मार्केटिंग के लिए सहायता और अन्य सुविधाओं के साथ नेटवर्क आउटरीच प्रदान करेगा। सॉफ्टबेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया, इलेक्टॉनिक्स और आईटी मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार की साझेदारी में नवनिर्मित सुविधा को रणनीतिक रूप से पीजीआई मेडिकल में रखा गया है, जो मेडी इलेक्टॉनिक्स स्टार्टअप्स को आगे ब?ने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है। मेडी इलेक्टॉनिक्स का अनमान है और 2025 तक 50 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में लगभग 75-80 प्रतिशत की जबरदस्त आयात निर्भरता भी है। को-वर्किंग/इनक्युबेशन स्पेस, हाई इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मेडी

इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलू स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित में मदद की उम्मीद है। डिजिटल इंडिया पहल के तहत उत्तर प्रदेश ने नए मानक स्थापित किए हैं। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहचान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाता है।आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत लाभ उदाया है। इसने लाभार्थियों के खातों में लाभ के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट टांसफर) की सविधा प्रदान की है जिसने भ्रष्टाचार, कदाचार को दूर किया है और नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है।

Name of the Newspaper

Budaun Shikhar

Date

19.12.2021

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर

माननीय श्री राजीय चंद्रशेखर, इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उपसिता ने संजय गांधी पोस्ट संबालय ग्रेजुएट इंस्टीटब्ट ऑफ लेडिकल साइसेज (एसजोपीजीआई), लबलङ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ओफ एंटरपेन्योरशिय का उद्घाटन किया। सेंटर ओक एंटरप्रेन्योरशिय (सीओई), इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना विज्ञान (हेल्य इत्यवेमीटेक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अल्याधृतिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ाया देगा तवा स्थानीय अवैदयवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजनार के अवसर पदा करेगा।

केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय क्षेशल विकास और उपनिता एवं इलेक्ट्रोलिक्स और सूचना पौदांगिकी राज्य संबी ने कहा, यह अधिष्य में मेहटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलोजी जैसे क्रोस-डिसिप्सिनरी एप्सिकेशन डेवलपर्नेट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इलोवेशन की उम्मीद हैं। पिछमें 4-5 वर्षों के दौरान प्रीयोगिकी के सम्मुख किए गए कार्यो परिणाम ने भारत को वरेविड काल के दौरान लगीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इक्रोसिस्टम है। इस परिदर्श से मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष

1 प्रसारण

उत्पेरित कर सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि

"स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकोर्न यदा रहे हैं। कोपिड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बड़ने वाली अर्थर इ.में दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एपडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र लोदी जो ने 2014 में डिजिटन इंडिया का चुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अधीत पौद्योगिकी सहसता. डिजिटन अर्थस्यवस्था, उद्यमिता और रोजगर निधीरित विय और भारत को उभरती पौधोनिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के लाध्यम से लागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 स्पर्य भेज रहे हैं. तो नागरिकों को उनके खाते में समान राशि पास हो रही है। ये तवलीक के परयदे हैं।"

इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक श्री अरपिंद कुमार ने कहा कि "मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक सजबूत मोडल पदाल करके उन्हें सक्षम बलावर विकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विनान क्षेत्रों में अनुसंधान और आईटी संवालय और उत्तर प्रदेश नवाधार में एक आदर्श बदलाय ला सरकर की साझेदारी में नवनिर्मित सकता है। लेडटेक डोसेन में उत्पाद बलाले के लिए आईपीआर बलाले, निर्यात को बड़ाया देले, आयात को कम करने और भारत को मेरिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के प्रदान करता है। लिए एक वैश्विक केंद्र है।

सहत्य है। इंजीनियोंग और जिए 15 नंडटेक स्टार्टअप्स का प्रथम चिकित्सा विसान वर संयोजन किया गया है। वे स्टार्टअप उत्तर स्थास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को प्रदेश के विमिनन हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभारती प्रौद्योगिकियाँ के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक अवणी राज्य के रूप में स्थान मिला है।

तक बढ़ने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में लगभग 75-80 प्रतिशत की जबरदस्त आयात निर्मरता भी है। इस सेंटर ओफ एक्सीलेंस से लेडी इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलू स्टार्टअप इमोसिस्टम को विकसित करने और



सेंटर ओफ एक्सीलेंस प्लग एंड प्ले सुविधाएं, को-विकेग/इत्यस्वेशन स्पेस, हाई स्पीड इंटरनेट (500 रपत, हाड़ स्थाड इटलाट (300) एजवीपीएस), मेडी इलेक्ट्रॉलिक्स एंड हेल्य इंग्लेमीटेफ्स और आईओटी लैब्स, बॉड्रिक संपदा अधिकारों पर सहायता, सार्केटिंग के लिए सहायता और अन्य सुविधाओं के साथ नेटवर्क आउटरीय पदान करेगा।

संफटयेया टेक्नोलोजी पार्क ओफ इंडिया, इलेक्ट्रोनिक्स और सुविधा को रणनीतिक रूप से पीजीआई मेडिकल में रखा गया है, जो लेडी इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त वातावरण

मेडी इतेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वर्तमान मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के में 10 अरव डॉलर होने का अनुमान

नोंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित 'आतम निर्मर मिशन' को बढावा देने में मदद की उम्मीद है।

डिजिटल इंडिया पहल के तहत उत्तर प्रदेश ने नए मानक स्थापित किए हैं। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहुंचान कार्यक्रम का नेतृत्य कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाना है।आधार का लाम उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/गुज्य सरकार के विमित्न कार्यक्रमों के तहत लाम उठाया है। इसने सामार्थियों के खाती में जाम के पत्यक्ष जाम दस्तांतरण (डायरेक्ट बेलिफिट ट्रांसफर) की सुविधा पदान की है जिसने अदाचार, कदावार को दूर किया है और नागरिकों के जीवन को आसान बताया है।